डॉ. मनमोहन सिंह
भारत के प्रधान मंत्री

व्यक्तिगत विवरण

भारत के चौदहवें प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को सही मायने में एक विचारक और एक विद्वान माना जाता है। उन्हें एक मेहनती और कार्य के प्रति शैक्षिक दृष्टिकोण वाले तथा एक ईमानदार और सरल स्वभाव वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता है।

प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जन्म अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत के एक गांव में 26 सितंबर, 1932 को हुआ था। डॉ. सिंह ने सन् 1948 में पंजाब विश्वविद्यालय से मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की। पंजाब से अपना शैक्षिक कैरियर शुरू करने के बाद वे केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, ब्रिटेन गए, जहां 1957 में उन्होंने अर्थशास्त्र में ऑनर्स डिग्री प्रथम श्रेणी में अर्जित की। इसके बाद डॉ. सिंह ने सन् 1962 में ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी के नफ्फील्ड कॉलेज से अर्थशास्त्र में डी.फिल की उपाधि प्राप्त की। उनकी पुस्तक *"India's Export Trends and Prospects for Self-Sustained Growth"* (Clarendon Press, Oxford, 1964) भारत की अंर्तमुखी व्यापार नीति पर एक प्रारंभिक समालोचना थी।

डॉ. सिंह की शैक्षिक उपलब्धियों में पंजाब विश्वविद्यालय के संकाय और प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में बिताए गए वर्षों के दौरान और निखार आया। इन वर्षो के दौरान अंकटाड (UNCTAD) सचिवालय में भी उन्होंने कुछ समय तक कार्य किया। इसके बाद वर्ष 1987 और 1990 के बीच जिनेवा में साउथ कमीशन के महासचिव के रूप में उनकी नियुक्ति हुई।

वर्ष 1971 में डॉ. सिंह भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में नियुक्त हुए। इसके तुरंत बाद वे वर्ष 1972 में वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में नियुक्त हुए। जिन सरकारी पदों पर डॉ. सिंह ने कार्य किया वे हैं - वित्त मंत्रालय में सचिव, योजना आयोग के उपाध्यक्ष, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष।

डॉ. सिंह ने भारत के वित्त मंत्री के रूप में वर्ष 1991 से 1996 तक जो पांच वर्ष बिताए वह स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में निर्णायक मोड़ साबित हुआ। आर्थिक

सुधारों की व्यापक नीति अपनाने में उनकी भूमिका को अब दुनिया भर में सराहा जाता है। भारत में जिन वर्षों को लोकप्रिय निगाह से देखा जाता है, वे डॉ. सिंह के व्यक्तित्व से अटूट रूप से जुड़े हैं।

डॉ. सिंह को उनके सार्वजनिक कैरियर में जो अनेक पुरस्कार और सम्मान मिले हैं उनमें प्रमुख हैं, भारत का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान, पद्म विभूषण(1987), भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार (1995), एशिया मनी एवार्ड फॉर फिनॉन्स मिनिस्टर ऑफ द ईयर (1993 और 1994), यूरो मनी एवार्ड फॉर फिनॉन्स मिनिस्टर ऑफ द ईयर (1993), केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी का एडम स्मिथ पुरस्कार (1956) और केम्ब्रिज के सेंट जॉन कॉलेज में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए राईट्स पुरस्कार (1955)। डॉ. सिंह जापान के निहोन कीझाई शिम्बुन सहित अनेक संगठनों द्वारा भी सम्मानित किये गए हैं। डॉ. सिंह ने केम्ब्रिज और ऑक्सफॉर्ड विश्वविद्यालयों सहित अनेक विश्वविद्यालयों की मानद् उपाधि प्राप्त की है।

डॉ. सिंह ने अनेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इन्होंने साइप्रस में हुए राष्ट्रमंडल देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक (1993) और 1993 में वियना में हुए विश्व मानवाधिकार सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अगुआई की।

अपने राजनैतिक जीवन में डॉ. सिंह वर्ष 1991 से भारतीय संसद के ऊपरी सदन (राज्य सभा) के सदस्य रहे हैं, जहां वे वर्ष 1998 और 2004 के बीच प्रतिपक्ष के नेता रहे।

डॉ. सिंह और उनकी पत्नी श्रीमती गुरशरण कौर की तीन बेटियां हैं।

***